पुण्यश्लोक देवी अहिल्याबाई होल्कर

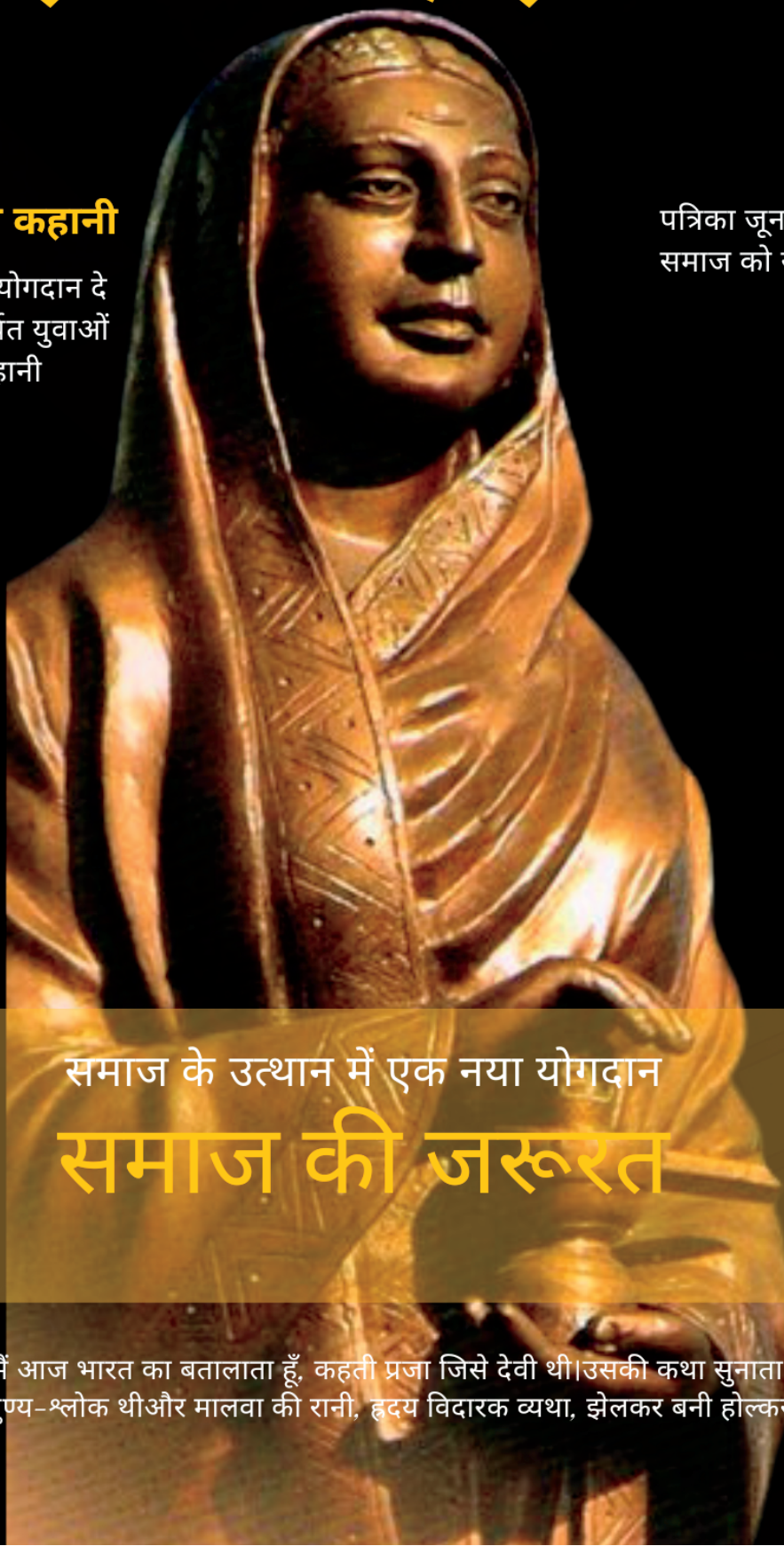

संघर्ष और सेवा की कहानी

समाज एवं मानव सेवा में योगदान दे रहे प्रतिभाषाली एवं समर्पित युवाओं के संघर्ष और सेवा की कहानी

पत्रिका जून, 2023, मूल्य ₹ 100
समाज को समर्पित पत्रिका

समाज के उत्थान में एक नया योगदान

समाज की जरूरत

इतिहास मैं आज भारत का बतालाता हूँ, कहती प्रजा जिसे देवी थी।उसकी कथा सुनाता हूँ।
जन-माता थी, पुण्य-श्लोक थीऔर मालवा की रानी, हृदय विदारक व्यथा, झेलकर बनी होल्कर मर्दानी।।

राजमाता अहिल्याबाई होलकर की जन्मभूमि

देवी अहिल्याबाई होलकर का जन्म 31 मई, 1725 को चोंडी गाँव में हुआ था, जो भारत के वर्तमान महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले में स्थित है। अहिल्याबाई होलकर की जन्मभूमि अर्थात उनके चोंडी गाँव में विनम्र स्वभाव को लोग रहते थे। बाद में ये मालवा साम्राज्य की एक प्रसिद्ध महारानी और शासक बनीं।

अहिल्याबाई बचपन से ही सरल स्वभाव के साथ प्रजा की सेवा मे विलीन रहती थी। इसी श्रेष्ठ स्वभाव के कारण, वे मालवा साम्राराज्य की महारानी बनीं। जब-जब भारत की वीरांगनाओं की शौर्यगाथा का वर्णन होता है, तब-तब अहिल्याबाई होलकर की वीरगाथा, कार्यकुशलता व न्यायशैली का वर्णन होता है।

पुण्यश्लोक राजमाता अहिल्याबाई होल्कर

मालवा के राजा "सूबेदार मल्हार राव होलकर" एक बार अपने राज्य से सैनिको के साथ यात्रा के लिए चौंडी आए थे। तब उन्होंने एक आठ-दस साल की कन्या को गरीब और भूखे बच्चों को खाना खिलाते देखा था। इतनी कम उम्र में ऐसा सेवा-भाव दृश्य देखकर मल्हार राव अहिल्याबाई से इतना प्रभावित हुए कि अपने पुत्र के लिए अहिल्याबाई का हाथ मांग लिया।

वैवाहिक जीवन

अहिल्याबाई होलकर का विवाह खंडेराव होलकर से हुआ था, जो होलकर वंश के थे। विवाह के समय अहिल्याबाई मात्र 8 वर्ष की बालिका थीं। खंडेराव होलकर वंश के संस्थापक और सम्मानित शासक मल्हार राव होलकर के पुत्र थे। और वे होलकर परिवार की राजधानी इंदौर में रहते थे। हालाँकि, उनका विवाहित जीवन अपेक्षाकृत छोटा था क्योंकि खांडेराव का 1754 में निधन हो गया था।

शासन काल का आरंभ

1754 में अपने पति खांडेराव होलकर की मृत्यु के बाद अहिल्याबाई होलकर मालवा साम्राज्य की रानी बनीं। उन्होंने सत्ता की बागडोर संभाली और एक कुशल और न्यायप्रिय शासक साबित हुईं। अहिल्याबाई होलकर अपने प्रशासनिक कौशल, सामाजिक सुधारों और धार्मिक परोपकार के लिए जानी जाती हैं।

वह एक जांबाज व न्याय के मार्ग पर चलकर शासन करने वाली महिला थी अँधेरे में प्रकाश-किरण के समान थीं, जिसे अँधेरा बार-बार ग्रसने की चेष्टा करता रहा। अपने महान विचारों एवं नैतिक आचरण के चलते ही समाज में उन्हें देवी का दर्जा मिला।

पुत्र माले राव:

उन्होंने क्रमशः 1745 और 1748 में एक पुत्र माले राव और पुत्री मुक्ताबाई को जन्म दिया। माले राव बाद के जीवन में मानसिक रूप से बीमार हो गए और 1767 में उनकी बीमारी के कारण मृत्यु हो गई। डकैतों को हराने में सफल होने के बाद अहिल्या बाई ने अपनी बेटी की शादी एक बहादुर लेकिन गरीब आदमी यशवंत राव से कर दी।

शिक्षा व राजनीतिक प्रशिक्षण

अहिल्याबाई होलकर के ससुर मल्हार राव होलकर ने उनके पति खंडेराव होलकर की मृत्यु के बाद उनके जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मल्हार राव, होलकर वंश के संस्थापक और स्वयं एक सम्मानित शासक थे। खंडेराव के असामयिक निधन के बाद, मल्हार राव ने अहिल्याबाई को अपने मार्गदर्शन में लिया और उनके गुरु बन गए।

मल्हार राव के मार्गदर्शन में, अहिल्याबाई ने शासन में राजनीतिक प्रशिक्षण और शिक्षा प्राप्त की। उन्होंने उसकी क्षमता को पहचाना और उसे मालवा राज्य पर शासन करने की जिम्मेदारी सौंपी। मल्हार राव ने उन्हें प्रभावी ढंग से शासन करने और महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए तैयार करते हुए उन्हें अमूल्य सलाह और मार्गदर्शन प्रदान किया।

पाल, बघेल, होल्कर, गडरिया, कुरुबा, मल्हार अर्थात सम्पूर्ण भारतवर्ष में अपने समाज से कोई भी सदस्य
अपनी रचना, कविता, कहानी या कोई लेख इस पत्रिका में छपवाना चाहते हैं तो
मेल कर सकते हैं :- kalpvrikshpublishing@yahoo.com

यदि आप भी अपनी पुस्तक लिखकर, छपवाना चाहते हैं, संपर्क करें
www.kalpvrikshpublishing.com
मेल कर सकते हैं :- kalpvrikshpublishing@yahoo.com
नोट: अपने समाज के लिए 20% की विशेष छूट, Whatsapp:7528874047

भगवान शिव के प्रति राजमाता अहिल्याबाई होलकर की

अ ख ण ड श्र द्धा

अहिल्याबाई होलकर के उल्लेखनीय योगदानों में से एक उनका वास्तुकला और कलाओं का संरक्षण था। उसने अपने राज्य में कई मंदिरों, घाटों (नदी या टैंक की ओर जाने वाली सीढ़ियाँ) और धर्मशालाओं (विश्राम गृह) का निर्माण कराया। उनकी वास्तुकला परियोजनाएं, जैसे काशी विश्वनाथ मंदिर और इंदौर में श्री कृष्ण मंदिर, धार्मिक परोपकार के प्रति उनके समर्पण और भगवान शिव के प्रति उनकी भक्ति को प्रदर्शित करती हैं।

न्या य प्रि य शा सि का

अहिल्याबाई होलकर ने तीन दशकों से अधिक समय तक शासन किया और अपने निष्पक्ष और दयालु शासन के लिए जानी जाती थीं। वह अपने लोगों की भलाई के लिए गहराई से प्रतिबद्ध थीं और उन्होंने महिलाओं की स्थिति को ऊपर उठाने, महिलाओ के जीवन में सुधार लाने और धार्मिक सहिष्णुता को बढ़ावा देने के लिए कई सामाजिक सुधारों को लागू किया। उन्होंने शासन की विशेषता शांति और स्थिरता बनाये रखी, और उन्हे एक न्यायप्रिय और दयालु शासक के रूप में सम्मान दिया जाता था। एक शासक के रूप में अहिल्याबाई होलकर का योगदान और उपलब्धियां सैन्य विजय या लड़ाइयों के बजाय उनके शासन, सुधारों और वास्तुशिल्प परियोजनाओं में निहित हैं।

न्यायप्रिय अहिल्याबाई होलकर समाज सुधारक के रूप में

अहिल्याबाई होलकर को उनके उल्लेखनीय नेतृत्व, प्रशासनिक कौशल और सामाजिक सुधारों के कारण व्यापक रूप से भारतीय इतिहास की सबसे महान महिला शासकों में से एक माना जाता है। अपने शासनकाल के दौरान, उन्होंने बुनियादी ढांचे के विकास, सिंचाई परियोजनाओं और अपने विषयों के कल्याण पर ध्यान केंद्रित किया।

अहिल्याबाई होलकर का निधन 13 अगस्त, 1795 को महेश्वर शहर में हुआ था, जो वर्तमान भारत के मध्य प्रदेश में स्थित है। मृत्यु के समय वह लगभग 70 वर्ष की थीं।

एक लंबे और शानदार शासन के बाद, अहिल्याबाई होलकर महेश्वर में सेवानिवृत्त हुईं, जिसका आध्यात्मिक और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में महत्व था। उन्होंने अपने अंतिम वर्ष भक्ति और धार्मिक प्रथाओं में बिताए।

महारानी अहिल्याबाई एक साहसी शासक

हर इंसान के जीवन में संघर्ष और मुसीबत होती है. कुछ लोग इनसे लड़कर सबके लिए मिशाल बन जाते है उन्ही मे से एक थी महारानी अहिल्याबाई होलकर।
अपने शासन काल के दोरान अहिल्याबाई को बहुत सी समस्याओं का सामना करना पड़ा, हर बार हर मसला पत्र से सुलझना मुमकिन नहीं था। लेकिन राजमाता अहिल्याबाई उस स्थिति के लिए भी तैयार थीं। एक बार जब उदयपुर की सेना के सहयोग से रामपुर के सरदार ने मालवा से विद्रोह किया, तब 60 साल की रानी ने कवच चढ़ाकर हाथ में तलवार लेकर युद्ध के मैदान में कूद पड़ी और उनका युद्ध कौशल ऐसा था कि उदयपुर की सेना को मैदान छोड़कर भागना पड़ा।

महान शासक अहिल्याबाई होलकर की मृत्यु

अहिल्याबाई होलकर की मृत्यु का सटीक कारण विशेष रूप से प्रलेखित नहीं है। हालांकि, यह माना जाता है कि प्राकृतिक कारणों से, संभवतः वृद्धावस्था के कारण उनका निधन हो गया। उनकी मृत्यु ने उल्लेखनीय नेतृत्व के एक युग का अंत किया और इस क्षेत्र में एक शून्य छोड़ दिया।

एक दूरदर्शी शासक के रूप में अहिल्याबाई होलकर की विरासत और शासन, सामाजिक सुधारों और वास्तु संरक्षण में उनके योगदान को आज भी याद किया जाता है और उनकी प्रशंसा की जाती है। उन्हें महिला सशक्तिकरण के प्रतीक और भारतीय इतिहास में एक सम्मानित व्यक्ति के रूप में मनाया जाता है।

ARE YOU TIRED OF FEELING LIKE YOUR LIFE LACKS PURPOSE AND MEANING? DO YOU FIND YOURSELF SEARCHING FOR ANSWERS AND A SENSE OF FULFILLMENT? LOOK NO FURTHER THAN "SECRET JOURNAL FOR A BLESSED LIFE" BY AUTHOR RICCHA DUBEY
AVAILABLE ON AMAZON CLICK ON THE LINK TO GET YOUR BOOK
HTTPS://AMZN.EU/D/4FBL5LJ

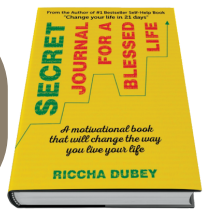

सिद्धारमैया बने कर्नाटक के मुख्यमंत्री

राजनीति में आने से पहले सिद्धारमैया वकालत करते थे। उन्होंने पहली बार भारतीय लोकदल के टिकट पर चामुंडेश्वरी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़कर कर्नाटक विधानसभा में एंट्री की थी। वह यहां से पांच बार जीते और तीन बार उन्हें हार का सामना भी करना पड़ा। सिद्धारमैया को राजनीति विरासत में नहीं मिली थी,

राज्यपाल थावर चंद्र गहलोत ने सिद्धारमैया को पद और गोपनियता की शपथ दिलाई।

मुख्यमंत्री पद की शपथ

सिद्धारमैया ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले ली है। राज्यपाल थावर चंद्र गहलोत ने उनको पद और गोपनियता की शपथ दिलाई। यह दूसरी बार है जब उनपर कांग्रेस ने भरोसा जताते हुए उन्हें दूसरी बार राज्य की कमान संभालने का मौका दिया है। 12 अगस्त 1948 को जन्मे सिद्धारमैया ने मैसूर विश्वविद्यालय से बीएससी की डिग्री प्राप्त की और बाद में वहीं से कानून की पढ़ाई की थी।

उनके पिता सिद्धारमे गौड़ा मैसूर जिले के टी. नरसीपुरा के पास वरुणा होबली में खेती करते थे और मां बोरम्मा गृहणी थीं।

कर्नाटक को मिला शिक्षित मुख्यमंत्री

गांव में ही उन्होंने अपनी स्कूली पढ़ाई पूरी की थी। बाद में उन्होंने बीएससी और फिर एलएलबी की पढ़ाई मैसूर यूनिवर्सिटी से की। पांच भाई-बहनों में सिद्धारमैया दूसरे नंबर पर हैं और वह कुरुबा गौड़ा समुदाय से हैं। **उत्तर भारत में इस समुदाय को गड़रिया समाज के नाम से जाना जाता है।** किसान परिवार से होने के बावजूद उन्होंने पैसों की कमी का असर अपनी पढ़ाई पर नहीं आने दिया। पढ़ाई लिखाई करके उन्होंने वकालत की। वह मशहूर वकील चिक्काबोरैया के अधीन जूनियर थे। इतना ही नहीं वह इसके बाद बच्चों को वकालत पढ़ाने भी लगे थे।

नवोदय विद्यालय के लिए चयन

कुमारी वैशाली बघेल पुत्री श्री एक्स हवलदार भगत सिंह, रिटायर्ड इंडियन आर्मी, दादाजी का नाम स्वर्गीय श्री परशुराम बघेल, माता जी का नाम-अनीता देवी ग्रहणी। गांव मीसा, जिला पलवल (हरियाणा) की निवासी है।

वैशाली के पिताजी ने 19 साल भारतीय सेना में सेवा की और उसके बाद समाज की सेवा में विलुप्त हो गए। सन 2020 से लगातार अपने वरिष्ठ समाजसेवकों से संपर्क साधा और कंधे से कंधा मिलाकर बढ़-चढ़ कर समाजसेवा में हिस्सा लिया। उन्होंने अपने गांव में, युवा शक्ति, युवा जोश को जागृत किया। जिससे गांव की छवि अपने आप में अलग से दिखाई देती है। सच्चे शिव भक्त भी हैं जिन्होंने अपने गांव के मंदिर में अनेकों कार्य करवाएं।

वैशाली बघेल पुत्री एक्स हवलदार भगत सिंह प्रथम कक्षा से तीसरी कक्षा तक केंद्रीय विद्यालय में पढ़ाई की और चौथी कश्रा से आठवीं कक्षा तक ग्रीन वेल पब्लिक स्कूल पलवल में पढ़ाई की। वर्ष 2023 में नवोदय विद्यालय के लिए चयनित हुई। बेटी वैशाली के संघर्ष को हमारा समाज सेल्यूट करता है।

हमारे समाज में ऐसे प्रतिभाशाली बच्चे निकल कर आए और समाज का नाम के साथ अपने गांव, माता-पिता का नाम भी रोशन करें। उनके माता-पिता को हार्दिक बधाई।

देश का नैतिक उत्थान

कलेजे के तीर तकदीर बन जाते हैं,
इन्सान के कर्म हाथों की लकीर बन जाते हैं।
अगर डरना है, तो उन गरीबों की बद्दुआओं से डरना,
क्योंकि बड़े-बड़े बादशाह भी फकीर बन जाते है।

जब हम देश के नैतिक उत्थान की बात करते हैं, तो उन लोगों को नहीं भुला पाते हैं, जो रात होने पर सूनी गलियों व सड़कों पर भटकते रहते हैं। जहाँ जगह मिल जाती है, वहीं पड़े रहते हैं और हलवाईयों की भट्टियों से चिपक कर, जाड़े की रातें गुजार देते हैं।

यशोदा, होड़ल।

हर रोज इन लावारिश लोगों की लाशें फुटपाथ पर मिलती हैं और हम लोग इन लाशों के ढेरों के बीच खडे होकर नैतिकता की ऊँची-ऊँची बाते करते हैं। खैर हम सबके लिए इससे बड़ी ख्वारिश की बात और क्या हो सकती है। जहाँ घर मानव को मानव के स्तर पर जीने का कोई अधिकार ही नहीं है। जहाँ पर खेतो में उगे हुए अनाज को मानव की आँतों तक पहुँचाने के लिए कोई सुविधा नहीं है। वहाँ पर नैतिक उत्थान की कल्पना करना भी बेकार है।

नैतिक उत्थान- किसका इन्सानों का, अरे उन इन्सान का जिनको अपने तन ढकने के लिए, अपने शरीर को गिरवी रखना पड़ता है।[11] देश के नैतिक उत्थान से अभिप्राय है, देश के प्रत्येक उस अंग का उत्थान जो उसकी इकाई है।

गड़रिया

दर-बदर भटक कर ,करें सामना डटकर,
शिकार शेरों का किया करते हैं!
उनको ही गड़रिया कहते हैं!!
डूबते उखरते जूझते मुश्किलों में,
जज्बात उनके फौलादी दिलों में,
निरक्षरता की अल्हड़ महफिलों में,
मुख्यधारा से दूर दुरुस्त काफिलों में,
सुनसान एकांत के सन्नाटों में जिया करते हैं!
,,,,उनको,,,
विचरते हैं, वह ऊंचे पहाड़ों में,
सिंह की खौफीली दहाड़ों में,
वेल लता कंटीले झाड़ -झंकाड़ों में,
धूप बर्षा, कंपकंपाते ठिठुरत जाड़ों में ,
विषधर की फुंकारों में, पंगा मौत से लिया करते हैं!,,उनको,,
भयभीत नहीं नदी की धार से,
कुदरत ना किस्मत की मार से,
वैरी की तोप ना दवंग की ललकार से,
साव-सत्ता की गुलामी ना ही सरकार से,
देना ही जानते ना किसी से कुछ लिया करते हैं!
उनको ,,,,
सामाजिक संगठन बेजोड़ है,
पृतिस्पर्धा की ना कहीं होड़ है,
गायनशैली का ना ओड़- छोड़ है,
किसी के पास ना इनका तोड़ है,
दीपराग जगाके मल्हा से मेघों को बुला लिया करते हैं, उनको,,

जनकवि शंकरपाल (युवासाहित्यकार) लड़वारी, जिला निवाड़ी (मध्यप्रदेश)

यह पुस्तक आज की भागदौड़ की जिंदगी में स्वस्थ रहने के लिए सभी आवश्यक आयामों को दर्शाती है। यह पुस्तक एक सुंदर,स्वस्थ, निरोगी तथा दीर्घायु जीवन के मार्ग पर हमें चलना सिखाती है। AVAILABLE ON AMAZONALSO AVAILABLE IN HINDI CLICK ON THE LINK TO GET YOUR BOOK :- HTTPS://AMZN.EU/D/DF47EPC

जागरुकता

शिक्षा में समय का निवेश एक बेहतर विकल्प है। समाज में बच्चों को शिक्षित करने के लिए जागरुकता का प्रसार होना आवश्यक है। ग्रामीण क्षेत्रों में, इस पक्ष को लेकर स्थिति बहुत दयनीय है। लोगों में शिक्षा के कारण जागरुकता धीरे-धीरे आ रही है। मगर देश की 65% आबादी अभी भी ग्रामीण अंचल में रह रही है, वहाँ विकास के साधन जब तक नहीं पहुँचेंगे, तब तक सही मायने में तरक्की पाना एक सपना ही है।

समाज में बदलाव

अंग्रेजी में एक कहावत है: Rome was not built in a day (रोम एक दिन में नहीं बना था) ठीक वैसे ही जो आप समाज देख रहे है वो एक दिन - में नहीं बना है। अगर इसे बनने में सदियों लगी है तो यह भी सच है कि इसे बदलने में काफी समय लगेगा।

इंटरनेट का जमाना है तो शायद सदियाँ न लगें, अधिकांश तो अपने राजनैतिक फायदे के लिए समाज को गलत राह पर ही धकेल रहे है। इससे अभिप्राय है कि नई पीढ़ी को अधिक से अधिक वैज्ञानिक सोच के लिए प्रेरित करें। बच्चों के परिवरिस में अपनी संस्कृति और अच्छे संस्कार का बहुत बड़ा योगदान होता है। बच्चे ही हमारे समाज का भविष्य बनाते है।

भावना बघेल, पत्नि
श्री जितेंद्र कुमार बघेल
नई की सराय जलेसर
रोड टेडी गार्डन आगरा

मालवा की रानी

मालवा की रानी हुई, करुण कहानी हुई।
एक-एक कर शव कितने उठाती है।
देख के प्रजा की पीर, पोछ चक्षुओं का नीर।
राज लोक धर्म हेतु स्वयं उठ आती है।
युग का विश्वास बनी, जनता की आस बनी।
जनता को भूल- निज योज सहलाती है।
देवी, राज-माता से अहिल्या बनी।
लोक-माता साहसिका, साहसी पुण्यश्लोक कहलाती है।

देवी अहिल्या बाई होल्कर के चरणों में बार-बार
नमन व बारम्बार अभिनन्दन।

मुकेश कुमार, हरियाणा पुलिस, बघौला

हौसलों की उड़ान

प्रत्येक कार्य को तीन अवस्थाओं से गुज़रना होता है।
उपहास, विरोध और स्वीकृति ।।
- स्वामी विवेकानंद

भाग्य का सूरज तो अंधकार में ही उदय होता है।
फिर तुम जीवन के अंधियारों से क्यों घबराते हो।।
- ब्रह्माकुमारीज़

सही मायने में बुद्धिपूर्ण विचार सहस्त्रों दिमागों में आते रहते हैं, लेकिन उनको अपना बनाने के लिए उनपर गहराई से तब तक विचार करना चाहिए जब तक वे हमारी अनुभूति में जड़ न जमा लें।
- गोथे

विचार तो सभी के अन्तर्मन में उत्पन्न होते हैं परन्तु उनको कार्यरूप बहुत कम लोग दे पाते हैं हैं। यदि आप विचारों को अपना बनाना चाहते हैं तो विचारों को गहराई से समझकर अपनी अनुभूति बनाना होगा। जब विचार गहन अनुभूति में समा जाते हैं तो उन्हें साकार करना आसान हो जाता है। यदि आप हौसलों की उड़ान भरना चाहते हैं तो आपको उच्च विचारों को महत्व देना होगा क्योंकि जो हम सोचेंगे वही कर्म करेंगे जो कर्म करेंगे वही हम बनेंगे।

इस मैगज़ीन में वर्णित महान रहस्यों को जीवन में अपनाने से आपकी स्थति सूर्य समान शक्तिशाली हो जायेगी। आपकी उपस्थिति मात्र से परेशानियाँ शुभ अवसरों में बदल जाएगी। राजयोग से आपका आभामंडल (ENERGY OF AURA), आपकी वृति व आसपास का वातावरण इतना शक्तिशाली हो जाएगा कि आपकी उपस्थिति मात्र से कार्य सिद्ध होने लगेंगे।

सूर्य कुछ नहीं करता है।
उसकी उपस्थिति मात्र से,
सारे कार्य होने लगते हैं।

चन्द्रमा की उपस्थिति मात्र से,
सागर में ज्वार-भाटा आने लगता है।
मनुष्य के शरीर में हलचल होने लगती है।।

आप भी सूर्य समान शक्तिशाली बन सकते हो। स्वयं को महान व उत्तम संस्कारी बनाओ तो जहाँ भी आप रहेंगे वहाँ परिवर्तन आरम्भ हो जाएगा। आपको कुछ नहीं करना है केवल अपने शक्तिशाली स्वरूप में टिके रहना है। लोगों के कड़े संस्कार परिवर्तित होने लगेंगे। लोग दुश्मनी भूलने लगेंगे। दु:ख, सुख में व अशांति, शांति में परिवर्तित होने लगेगी।

बिल्ली के आते ही चूहे भागने लगते हैं।
आँधी जहाँ से गुज़रती है वहाँ की धूल
उड़ने लगती है।।

आप का समय कीमती है
इसे किसी और की जिंदगी जीने में बर्बाद मत कीजिए।
बेकार की सोच में मत फंसिए,
अपनी जिंदगी को दूसरों के हिसाब से मत चलाइए।
औरों के विचारों के शोर में
अपनी अंदर की आवाज़ को मत डूबने दीजिए।

-

स्टीव जॉब

कविता

कौन है तू, कौन है तू, क्या तेरा मकसद?
छोटी सी मजबूरी से घबराया है तू।
क्या यही है तरे जीवन का सत्य?
उठ और पहचान अपने को सूर्यपुत्र।
इस सूर्य का तेज है, तुझमें।

और तू, जीवन की उलझन में, उलझा पड़ा है।
क्या है तेरे जीवन का मकसद?
तू याद कर,
डर मत किसी से, जरूरत है तो फरियाद कर।

हर समस्या मिट जाएगी,
मुश्किल से मुश्किल मंजिल भी तुझे मिल जाएगी।
संसार के सारे सितारों की, एक ही जुबान है
ये हौसलों की उड़ान है, ये हौसलों की उड़ान है।

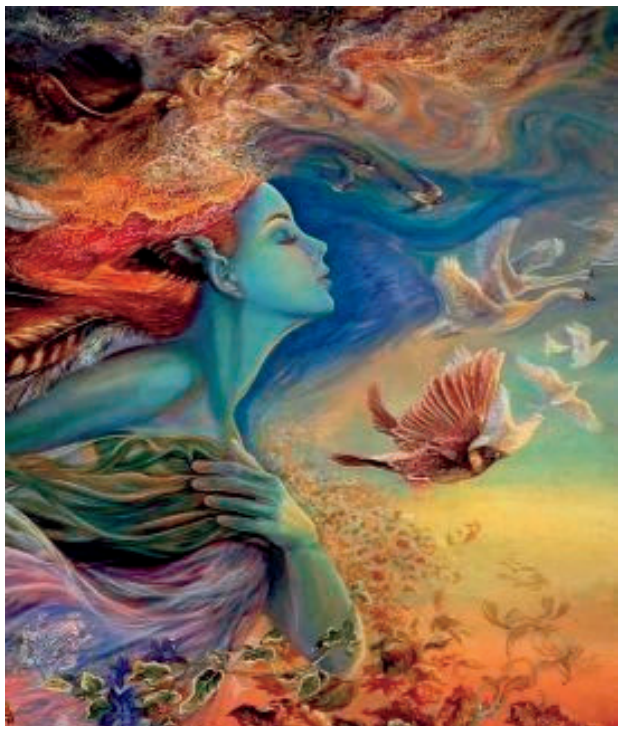

रख दे एक पग, तू मंजिल की राह में
तेरे पग रखते ही,
एक पग मंजिल की दूरी कम हो जाएगी।
गिरने से तू क्यों घबराता है,
सुन मेरी कहानी मैं तुझे सुनाता हूँ।
बार-बार गिरने पर फिर से मैं उठ जाता हूँ,
जानना चाहते हो, ऐसी कौन सी सोच होगी
क्योंकि मुझे विश्वास है, अंतिम विजय मेरी होगी।

जब मंजिल तुझे मिल जाए
चढ़कर मंजिल पर तुझको कराना ये भान है
ये हौसलों की उड़ान है, ये हौसलों की उड़ान है।
ये हौसलों की उड़ान है, ये हौसलों की उड़ान है।

--**अनंत बघेल अद्वितीय**

किशोरों के लिए यौन शिक्षा

दोस्तों, मैं आपको यौन शिक्षा के बारे में बात करने की कोशिश करूंगा। यह विषय तो सोचने और बोलने के लिए थोड़ा जटिल हो सकता है, लेकिन यह बहुत महत्वपूर्ण है जब हमें अपने शरीर के विषय में समझदार और सक्रिय बनना होता है।

यौन शिक्षा संबंधित जानकारी देती है, जिससे हम अपने शरीर के विभिन्न हिस्सों, यौन स्वास्थ्य, गर्भनिरोधकों, संभोग और संबंधों के बारे में समझ पाते हैं। यह हमारे भावनात्मक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है और हमें स्वस्थ और सुरक्षित रहने में मदद करता है।

किशोरों के लिए यौन शिक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उन्हें उचित और सही जानकारी प्रदान करता है ताकि वे समझ सकें कि यौन स्वास्थ्य के बारे में स्वयं की देखभाल कैसे करें। यह उन्हें यौन संबंधों, समस्या विचारों, संभोग में सुरक्षा और सही निर्णय लेने में मदद करेगी।
मेरी सलाह है कि आप एक विश्वसनीय स्रोत से यौन शिक्षा के बारे में जानकारी प्राप्त करें। यदि आपके पास कोई प्रश्न हों या किसी विषय पर संदेह हो तो कृपया अपने वरिष्ठ, विशेषज्ञ से संपर्क करें।

यौन शिक्षा हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है और हमें इसे समझना चाहिए। इसे एक सक्रिय और जागरूक तरीके से स्वीकार करें और अपने और अपने साथी के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए जागरूक रहें।

यौन शिक्षा एक ऐसी शिक्षा है जो हमें स्वयं के शरीर के बारे में समझाती है, जिससे हमें यह पता चलता है कि हमारे शरीर में कैसे बदलाव होते हैं और उनका मतलब क्या होता है।

यौन शिक्षा के माध्यम से हम बिना हकलाहट और शर्म के, स्वाभाविकता से यौन स्वास्थ्य के बारे में बात कर सकते हैं। यह हमारे विचारों, भावनाओं और संबंधों को समझने में मदद करती है और स्वस्थ और सुरक्षित संबंध बनाने में मदद करती है। यौन शिक्षा हमें यौनता के बारे में सही ज्ञान प्रदान करती है और हमें यौन संबंधों को संभालने के लिए जागरूक बनाती है।

हमें ध्यान देना चाहिए कि यौनता एक प्राकृतिक और महत्वपूर्ण अंश है और हमें इसे गंभीरता से लेना चाहिए। हमें अपनी और दूसरों की सीमाओं व सहमति का सम्मान करना चाहिए और सभ्यता, सुरक्षा और सम्मान के साथ यौनता को व्यवहारिक और स्वस्थ तरीके से व्यवस्थित करना चाहिए।

यौन शिक्षा हमारे व्यक्तिगत और सामाजिक विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह हमें समझदार, सावधान और जिम्मेदार नागरिक बनाती है। जो स्वयं की सुरक्षा, सुख और स्वास्थ्य की देखभाल करता है और दूसरों की भी इच्छाओं और मर्यादाओं का सम्मान करता है। इसलिए, हमें यौन शिक्षा को एक महत्वपूर्ण मुद्दा मानना चाहिए और अपने समाज में इसकी महत्ता को स्थापित करने के लिए प्रयास करना चाहिए।

युवाओ का मार्गदर्शन

युवाओं का मार्गदर्शन, एक महत्वपूर्ण विषय है। युवाओं की जिंदगी में यह मार्गदर्शन उन्हें सफलता की ओर ले जाने में मदद करता है। युवाओं के पास नयी सोच, ऊर्जा और सामर्थ्य होता है जो उन्हें अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित करता है। मानसिक और आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ रहना, इस सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
युवाओं के लिए मार्गदर्शन का महत्वपूर्ण अंश है सही शिक्षा प्राप्त करना। एक अच्छी शिक्षा युवाओं को ज्ञान, कौशल और स्वाधीनता प्रदान करती है। उन्हें एक अच्छी करियर चुनने में मदद मिलती है और समाज में स्वयं की पहचान बनाने का मौका देती है।

साथ ही, युवाओं को अपने रोजगारी के लक्ष्य को स्पष्ट करने की जरूरत होती है। वे अपनी प्राथमिकताओं और रुचियों के आधार पर एक योजना बना सकते हैं और अपने लक्ष्य की दिशा में कठिनाइयों को पार कर सकते हैं। मार्गदर्शन के माध्यम से उन्हें आपसी सहयोग, मेंटरिंग और संपर्कों की सुविधा मिलती है जो उन्हें सफलता और समृद्धि की ओर आगे बढ़ाते हैं।
एक अन्य महत्वपूर्ण मार्गदर्शन का स्रोत परिवार और सामाजिक परिवेश होता है। युवाओं को अपने आस-पास के व्यक्तियों से गुरुत्वाकर्षण, नेतृत्व की क्षमता और नैतिक मूल्यों को सीखने का अवसर मिलता है। वे अपने बड़ों के अनुभव से सीख सकते हैं और उनके संबंधों से ज्ञान और समझ प्राप्त कर सकते हैं।

युवाओं को सकारात्मक सोच वाले लोगों के साथ समय बिताने का प्रयास करना चाहिए। सकारात्मक मार्गदर्शन प्रदान करने वाले लोग उन्हें स्वप्न देखने, संघर्ष करने, अवसरों का सामंजस्य करने और खुद के कौशलों को विकसित करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं।

युवाओं के लिए मार्गदर्शन एक मार्ग प्रशस्ति है जो उन्हें अपने लक्ष्यों की ओर आगे बढ़ाने में मदद करती है। यह उन्हें संतुष्टि, सफलता और समृद्धि की प्राप्ति का मार्ग प्रदान करती है।

यौन शिक्षा हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है और हमें इसे समझना चाहिए। इसे एक सक्रिय और जागरूक तरीके से स्वीकार करें और अपने और अपने साथी के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए जागरूक रहें।

युवाओं के लिए एक और महत्वपूर्ण मार्गदर्शन का स्रोत अपनी आंतरिक आवश्यकताओं की पहचान करना है। यह मानसिक स्वास्थ्य, शारीरिक स्वास्थ्य, सामाजिक संपर्क, रुचियां और प्राथमिकताओं को समझने में मदद करता है।

युवाओं को अपने स्वास्थ्य और खुद की देखभाल को महत्व देना चाहिए ताकि वे अपने पूर्ण पोटेंशियल को बहुतायत से निकाल सकें।
अपने सपनों की प्राप्ति के लिए, युवाओं को संघर्ष करने की क्षमता विकसित करनी चाहिए। वे अपने अवसरों को चुनने में साहसिक होने और असफलताओं को सामर्थ्य में बदलने का सामर्थ्य विकसित कर सकते हैं।

युवाओं को प्रोग्रेसिव सोच वाले मार्गदर्शकों की खोज करनी चाहिए, जो उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। समाज के लिए, युवाओं का मार्गदर्शन मानवीय सेवा और समाज सेवा के माध्यम से महत्वपूर्ण है। युवाओं को सामाजिक उद्देश्यों, सामाजिक न्याय और समानता के लिए समर्पित होने की प्रेरणा मिलनी चाहिए। वे जनहित के लिए अपने कौशल और संसाधनों का उपयोग कर सकते हैं और समुदाय के विकास में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

युवाओं को प्रोग्रेसिव सोच वाले मार्गदर्शकों की खोज करनी चाहिए, जो उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं।
समाज के लिए, युवाओं का मार्गदर्शन मानवीय सेवा और समाज सेवा के माध्यम से महत्वपूर्ण है। युवाओं को सामाजिक उद्देश्यों, सामाजिक न्याय और समानता के लिए समर्पित होने की प्रेरणा मिलनी चाहिए। वे जनहित के लिए अपने कौशल और संसाधनों का उपयोग कर सकते हैं और समुदाय के विकास में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

अंत में, युवाओं का मार्गदर्शन उन्हें स्वतंत्र, सकारात्मक और सामरिक नागरिकता के साथ अपनी जिंदगी में प्रगति करने के लिए आवश्यक है। एक मार्गदर्शक युवाओं को आत्मविश्वास देता है, उन्हें नए और उन्नत मार्गों को खोजने के लिए प्रेरित करता है और उन्हें समृद्ध और पूर्णता की ओर ले जाता है।

Writers Tutor

Write and Publish Your Book In 45 Days, Hit #1 & Boost Your Brand Globally Without any prior Experience. Free Online Classes available for New Writers.
For More Information Join Our WhatsApp Group :- Writers Tutor
Mail Us :- kalpvrikshpublishing@yahoo.com

Free Digital Marketing Coaching

Build Your carrier in digital marketing with our Free Master digital marketing online program and earn more than 25 Thousand Rupees in the month by setting at your place.

There are a lot of reasons to build a Carrier in digital marketing career path. For one, it's a Thriving industry — And We are here to help you in building a carrier in Digital Marketing. if you are a Housewife, Student or a Professional. Our team of expert trainers will help you to become a professional digital marketer, below-mentioned are the skills that you would need:

Search Engine Optimization
Content Marketing
Facebook Advertisement
Social Media Marketing
Email Marketing
Communication Skills
Web Development
Graphic Designing

For More Information contact us at :- kalpvrikshpublishing@yahoo.com
Join Our Free Digital Marketing WhatsApp Group:- Digital Marketing Classes
टिप्पणी: ये फ्री कोचिंग केवल अपने समाज के सदस्यों के लिए उपलब्ध है।

IF YOU ARE A TEEN OR THE PARENT OF A TEEN, AND YOU ARE CONSIDERING WHETHER YOUR CHILD SHOULD BECOME A TEEN ENTREPRENEUR, THE BENEFITS ARE TRULY COUNTLESS. ENTREPRENEURSHIP IS A UNIQUE STRUGGLING PATH.
AVAILABLE ON AMAZON CLICK ON THE LINK TO GET YOUR BOOK :- HTTPS://AMZN.EU/D/3JJNALY

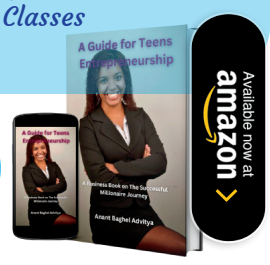

सुप्रभात प्रतिज्ञान

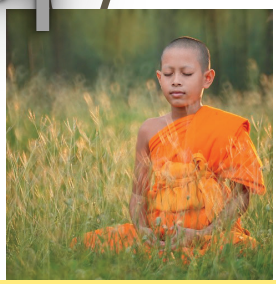

प्रिय पाठकों,

प्रतिदिन निम्नलिखित प्रतिज्ञान का सवेरे सूर्योदय से पूर्व किसी भी एक पंक्ति का 21 बार, 21 दिन के लिए शांत मन से अभ्यास करें। इससे आपके जीवन में चमत्कारिक, सकारात्मक परिवर्तन होंगे और आप सफलता की ओर अग्रसर होंगे।

मैं अपने अंदर की शक्ति और सामर्थ्य को पहचानता हूँ।
मैं स्वस्थ, स्पष्ट और उत्साहित दिमाग के साथ नये दिन की शुरुआत करता हूँ।
मेरे अंदर आत्मविश्वास, संकल्प और समर्पण की बहुत शक्ति है।
मैं अपने लक्ष्य की ओर निरंतर बढ़ता हूँ और उन्हें पूरा करने के लिए समर्पित हूँ।
मैं एक पूर्णतावादी और सक्रिय व्यक्ति हूँ, जो हर क्षेत्र में अपनी सामर्थ्य से निखरता है।
मैं खुशहाल, स्वस्थ, और संतुष्ट जीवन जीने का हकदार हूँ।
मैं अपने अन्तर्मन की आवाज़ पर ध्यान देता हूँ और सच्चाई और प्रेम का पालन करता हूँ।
मैं अपने सपनों को साकार करने के लिए निरंतर प्रयास करता हूँ।
मैं आज खुशी, प्रेम और शांति का आनंद लूंगा और दूसरों को भी उन्हें बाटूँगा।
मैं सबके लिए प्रेरणा का स्रोत और आदर्श बनने का संकल्प लेता हूँ।
मैं आज एक अच्छा और प्रभावी व्यक्ति बनने का वचन लेता हूँ।
मैं सभी परिस्थितियों का सामना करने के लिए तैयार हूँ।
मैं आज अपने जीवन को सकारात्मकता, स्नेह, और गहराई से जीने का निर्णय लेता हूँ।
मैं सभी के लिए स्नेह और सम्मान के साथ बदलाव का स्रोत बनने का अभियान चलाता
...-स्नेह, स्वस्थ... और सकारात्मकता की दिशा में अग्रसर रहूंगा।
... शक्ति और सामर्थ्य है और मैं उन्हें सदैव सही रास्ते पर उपयोग करता हूँ।
... कि ... मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि आज एक महान दिन होगा।

आत्मविश्वास

आत्मविश्वास वह शक्ति है।
जिससे उजड़ी हुई दुनिया में प्रकाश किया जा सकता है।।

आत्मविश्वास की किस्ती, तूफ़ान में डगमगा सकती है।
कुछ समय के लिए, अपना संतुलन खो सकती है।
लेकिन डूब कभी नहीं सकती है।।

आत्मविश्वासी व्यक्ति को कठिन कार्य भी आसान लगता है। आत्मविश्वासी व्यक्ति मंजिल को प्राप्त करके ही रहता है। वह हँसते-हँसते हर समस्या को पार कर जाता है। जो मुसीबतों से घबराते हैं, उन्हे असफलताओं का सामना करना पड़ता है। वहीं एक आत्मविश्वासी व्यक्ति की सोच है:-

मैं रास्तों में विश्वास नहीं करता,
मैं जिधर से गुज़रता हूँ,
उधर से ही रास्ता बन जाता है।
इसे मेरा अहम् ना समझना,
यह मेरा आत्मविश्वास है।

साधारण लोग समस्याओं से घबरा जाते हैं व अन्य व्यक्तियों से सहायता मांगते हैं और उन्ही का अनुसरण करते हैं। यही जीवन की सबसे बडी भूल है। प्रत्येक व्यक्ति की सोच अलग है। किसी व्यक्ति का रास्ता, उसकी परिस्थितियों के अनुसार सही हो सकता है। आपकी सोच, आपके साथ घटी घटनाऐं, आपके आस-पास का वातावरण अलग है इसलिए आप दूसरे लोगों से मदद तो ले सकते हैं, लेकिन अपना मार्ग स्वयं ही बनायें।

गुड्डी का पति, उसे बहुत परेशान करता था। घर में अक्सर झगड़ा होता था। गुड्डी अपने पति से बहुत परेशान थी। वह अपनी सहेलियों के पास सलाह के लिए पहुँची।

1. गुड्डी पहली सहेली से मिलती है, जिसकी सहनशक्ति *90%* थी। उसने गुड्डी से कहा कि आपको ये सब कुछ सहन करना चाहिए। ऐंसा जीवन में अक्सर होता है। आप सहन करेंगी, तभी रिश्ते निभाये जा सकते हैं।
2 गुड्डी दूसरी सहेली से मिलती है, जिसकी सहनशक्ति *50%* थी। उसने गुड्डी से कहा कि आपको कभी-कभी सहन करना चाहिए। बात बहुत अधिक बढ़ने पर सुना भी देना चाहिए।
3. गुड्डी तीसरी सहेली से मिलती है, जिसकी सहनशक्ति *10%* थी। उसने गुड्डी से कहा कि आपने अभी तक इतना कुछ कैसे सहन किया है। आपको इतना सहन नहीं करना चाहिए। मैं होती तो अभी तक तलाक दे चुकी होती।

सभी की सोच और विचार अलग होते हैं। वे अपने अनुसार ही सलाह देंगे परन्तु मंजिल आपकी है, मार्ग आपका है, विचार आपके हैं तो निर्णय भी आपको ही लेना होगा।

आत्मविश्वासहीन व्यक्ति शीघ्र ही डगमगा जाता है। वह उचित निर्णय लेने में असक्षम होता है। वह दूसरों के निर्णयों पर आश्रित होता है व जैसा अन्य कहते हैं, वैसा ही करता है। परिणामस्वरूप स्वयं को असहाय महसूस करता है।

कौशल विकास

युवा कौशल को बढ़ाने के लिए निम्नलिखित कुछ उपाय अपनाए जा सकते हैं:-

नए कौशल सीखें

अपनी प्रतिभा और रुचि के आधार पर नए कौशल सीखने का प्रयास करें। यह आपको नए समान्य और व्यावसायिक कौशल प्राप्त करने में मदद करेगा। आप वेबसाइट, मोबाइल एप्लिकेशन, यूट्यूब वीडियो या स्थानीय संस्थानों के माध्यम से ऑनलाइन या ऑफलाइन कोर्सेज और ट्रेनिंग के लिए देख सकते हैं।

स्वयं अध्ययन करें

यदि आपके पास समय और संसाधन की कमी है, तो आप अपने खुद के मार्गदर्शन में स्वयं अध्ययन कर सकते हैं। यह आपको विभिन्न विषयों पर ज्ञान और कौशल प्राप्त करने में मदद करेगा। आप ई-पुस्तकें, वेबसाइटें, ब्लॉग और यूट्यूब वीडियो का उपयोग कर सकते हैं।

मेंटर ढूंढें

किसी व्यक्ति को अपने मेंटर के रूप में चुनें, जो आपकी रुचि और कौशलों में माहिर हो। उनके साथ संपर्क स्थापित करें और उनसे सीखें। एक मेंटर के द्वारा प्राप्त निर्देशन से आप अपने कौशलों को विकसित करने में मदद प्राप्त कर सकते हैं।

नेटवर्किंग करें

अपने कौशलों को बढ़ाने के लिए नेटवर्किंग का सहारा लें। अपने बारे में अन्य लोगों को बताएं और उनके साथ संचार स्थापित करें जो आपकी रुचि के क्षेत्र में काम कर रहे हैं। नेटवर्किंग के माध्यम से, आप नए अवसर प्राप्त कर सकते हैं और अपने कौशलों को विकसित करने के लिए सीख सकते हैं।

स्वास्थ्य पर ध्यान दें

स्वास्थ्य और ध्यान के लिए समय निकालना महत्वपूर्ण है। स्वस्थ रहकर आप अपने कौशलों को सुधार सकते हैं और अधिक सक्रिय रह सकते हैं। नियमित रूप से व्यायाम करें, पौष्टिक आहार लें, अच्छी नींद लें, और मानसिक स्वास्थ्य के लिए ध्यान योग आदि का प्रयास करें।

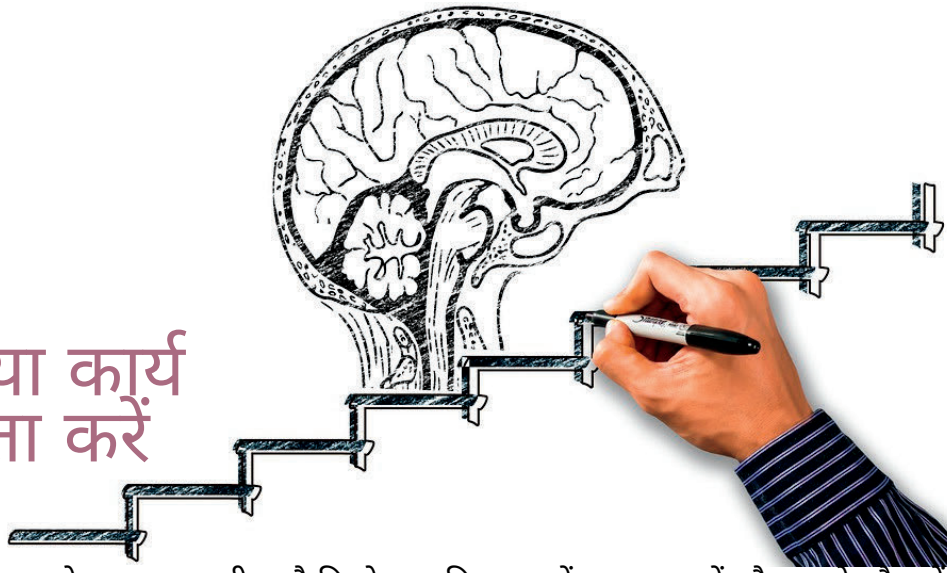

परियोजना या कार्य में सहभागिता करें

एक युवा कौशल को विकसित करने का अच्छा तरीका है कि वे वास्तविक जगहों पर काम करें और अपने कौशलों को अभियांत्रिकी में लागू करें। आप किसी योजना, परियोजना या सामाजिक कार्य के हिस्सा बन सकते हैं जिसमें आपके कौशल और रुचि का उपयोग हो सकता है। इससे आपको अनुभव मिलेगा और आप अपने कौशलों को समृद्ध करने के लिए नए तरीकों को सीख सकेंगे।

अनुभव प्राप्त करें

किसी अनुभवशील व्यक्ति के साथ काम करना और उनके साथ सहयोग करना आपको अपने कौशलों को विकसित करने में मदद करेगा। आप इंटर्नशिप या स्थानीय व्यवसायों में स्थानांतरित होकर या वॉलंटियर करके अनुभव प्राप्त कर सकते हैं। इससे आपको अन्य लोगों के साथ सहयोग करने का अवसर मिलेगा और नए कौशल प्राप्त करने का मौका मिलेगा।

स्वयं को समर्पित करें

सफलता के लिए, आपको अपने कौशलों के विकास में समर्पित रहना होगा। आपको निरंतर अभ्यास करने, प्रैक्टिस करने, और स्वयं को समर्पित रखने की आवश्यकता होगी। यह आपके कौशलों को मजबूत बनाए रखेगा और आपको सफलता की ओर आगे बढ़ाने में मदद करेगा।

स्वयंमोटिवेशन बनाए रखें

युवा कौशल को विकसित करने के लिए स्वयंमोटिवेशन बहुत महत्वपूर्ण है। आपको अपने लक्ष्यों के प्रति प्रेरित रहना और खुद को सक्रिय रखने की आवश्यकता है। आप मनोवृत्ति, उद्दीपना और स्वयंसंगठन के माध्यम से अपने आप को प्रेरित कर सकते हैं। अपने लक्ष्यों की प्राथमिकता को साधारित करने और संघर्षों के बीच उत्साह बनाए रखने का प्रयास करें।

अवसरों का उपयोग करें

अपने कौशलों को विकसित करने के लिए उपयुक्त अवसरों का उपयोग करें। आपको व्यापार, स्टार्टअप, उद्यमिता, युवा संगठनों, यूथ वोलंटियरिंग, और इंटरनेशनल प्रोग्राम जैसे क्षेत्रों में सक्रिय रहने का प्रयास करना चाहिए। ये आपको विभिन्न अनुभव और समर्थन प्रदान करेंगे जो आपके क़ौशलों को विकसित करने में मदद करेंगे।

युवा कौशल को बढ़ाने के लिए ये उपाय आपको सहायता प्रदान कर सकते हैं। समय, प्रयास और निरंतरता के साथ, आप अपने कौशलों को समृद्ध बना सकते हैं और अपने उच्चतम पोटेंशियल तक पहुंच सकते हैं।

समाज का उत्थान

समाज का उत्थान एक निरंतर और सामरिक प्रक्रिया है, जो विभिन्न पहलुओं पर निर्भर करती है। नीचे कुछ महत्वपूर्ण कदम दिए गए हैं जो समाज के विकास में सहायता कर सकते हैं:

शिक्षा का महत्व

शिक्षा समाज के उत्थान के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण है। सभी लोगों को समान और गुणवत्ता की शिक्षा की सुविधा प्रदान की जानी चाहिए। इसके साथ ही उच्च शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण और तकनीकी शिक्षा को भी प्रोत्साहित करना चाहिए।

महिलाओं की स्थिति में सुधार

समाज का उत्थान संगठित और समर्पित महिलाओं के साथ होता है। महिलाओं को समानता, आर्थिक स्वायत्तता, और व्यावसायिक मौकों के लिए समर्थन देना चाहिए। उन्हें निर्धारित समय के अलावा भी समाजिक और राजनीतिक निर्धारित स्थानों में भागीदारी की सुविधा प्रदान करनी चाहिए।

गरीबी का समापन

समाज का उत्थान उन लोगों के लिए भी संभव है जो गरीबी के कारण पीड़ित हैं। गरीबी को कम करने और गरीबों को आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा की सुविधा प्रदान करनी चाहिए। इसके लिए, समाज को व्यापक गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम और सरकारी योजनाओं का समर्थन करना चाहिए।

विविधता और समावेश

समाज का उत्थान विविधता और समावेश के आधार पर होता है। हमें एक आपसी समझ, सहयोग और समरसता का माहौल बनाना चाहिए, जहां सभी लोगों को समान अवसर मिलें और उनकी धार्मिक, सांस्कृतिक और भाषाई पहचान का सम्मान किया जाए।

:

न्याय और अधिकार

न्यायपूर्ण समाज बनाने के लिए, सभी लोगों को उचित न्याय और अधिकारों की सुरक्षा प्राप्त करनी चाहिए। कानून की पालना, भ्रष्टाचार के खिलाफ कठोर कार्रवाई और अपराधों के खिलाफ सशक्त मुक़ाबला करना आवश्यक है।

जनस्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण

आरोग्य सेवाओं के पहुंच को बढ़ावा देना, शिशु-मृत्यु दर को कम करना, मातृ स्वास्थ्य की देखभाल और सामाजिक सुरक्षा के लिए उचित सुविधाओं का प्रदान करना आवश्यक है। जनस्वास्थ्य कार्यक्रमों, रोगनिरोधक उपायों और सचेतता अभियानों को समर्थन करना चाहिए।

रोजगार और आर्थिक विकास

रोजगार के अवसरों को बढ़ाना और आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करना समाज का उत्थान संभव बनाता है। उद्यमिता, उद्योगों का प्रभावशाली संचालन, कौशल विकास योजनाएं, और सुविधाओं की विकास को प्राथमिकता देनी चाहिए।

पर्यावरणीय संरक्षण

पर्यावरणीय संरक्षण समाज के उत्थान का अभिन्न अंग है। प्रदूषण कम करना, जल संरक्षण, वन संरक्षण, और पर्यावरणीय जीवनशैली को प्रोत्साहित करना आवश्यक है। समुदाय को पर्यावरणीय जागरूकता के बारे में शिक्षित करना और संरक्षण के लिए साझेदारी में उन्नति करना चाहिए।

हरियाणा

मेरे प्यारे हरियाणा के बारे में बात करने से दिल खुश हो जाता है। यह देश के उत्तरी हिस्से में स्थित होने के कारण यह अपनी अद्वितीय और विविधताओं से भरपूर है। हरियाणा को भारतीय राज्यों की गरिमा का प्रतीक कहना होगा।

हरियाणा ने भारतीय इतिहास को गर्व से सजाया है। यह एक प्राचीन सभ्यता का आधार रहा है और यहां के पुरातात्विक स्थल इसकी शान हैं। कुरुक्षेत्र, जहां भगवान कृष्ण ने अर्जुन को भगवद्गीता का उपदेश दिया था, हरियाणा की महत्त्वपूर्ण परंपरा का प्रतीक है। इसके अलावा यहां के अन्य प्रमुख पर्यटन स्थल जैसे फरीदाबाद, कर्णाल, रोहतक और पानीपत भी अपनी अतुलनीय चार्म बनाए हुए हैं।

हरियाणा की प्रशासनिक और आर्थिक व्यवस्था का गर्व है। यह भारत के उच्चतम आय का राज्य है और कृषि, पशुपालन और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में विशेषज्ञता रखता है। हरियाणा के किसानों ने देश को अनंत संभावनाएं प्रदान की हैं और अपनी मेहनत और परिश्रम से इसे खुदरा और उद्यमी राज्य बना दिया है।

हरियाणा की संस्कृति और गीत संगीत का ज़ोरदार आदान-प्रदान है। लोक नृत्य और गीतों में इसकी पहचान है और यहां की लोक संगीत पर आधारित फिल्मों ने देश भर में धूम मचाई है। हरियाणवी भाषा का इस राज्य के लोगों के मन में गहरा स्थान है और इसकी मिठास और तेजी हरियाणा को और भी ख़ास बनाती है।

मेरे दिल में हरियाणा के प्रति प्रेम और गर्व का आभास होता है। यह एक प्रगतिशील राज्य है जो अपनी सांस्कृतिक विरासत को संजोए हुए है। हरियाणा के इतने सुंदर और शानदार नजारे हैं कि मन करता है इनको बस देखते रहूं और खुद को इस रंगीन राज्य में खो जाऊं।

यही हरियाणा है, मेरा दिल का टुकड़ा और मेरी जान। इसकी सुंदरता, गरिमा और अद्वितीयता को शब्दों में बयां करना कठिन है। हरियाणा में रहना, इसकी मिट्टी को छूना और इसकी संस्कृति को अनुभव करना एक अनुभव है जो मेरे दिल के नजदीक है।

जय हरियाणा! जय हिंद!

लेखक बनें

लेखक बनना एक संघर्षपूर्ण और आनंदमयी यात्रा है। यह उच्चारित करते हुए शब्दों का जादू है, जो हमारे भीतर सपनों और उम्मीदों की बगियाँ खिलाता है। जब मैं लिखता हूँ, तो एक भावुकता सहित मेरा मन जीत लेता है, जैसे कि गाते-गाते कोई आवाज बचपन के साथी के मन को चूम लेती है।

शब्दों का जादू मेरी संवेदनाओं की तरंगों को प्रकट करता है। जब मैं अपनी कलम को कागज़ पर चलाता हूँ, तो मैं अपने भावों का अनुभव करता हूँ। मेरे ह्रदय में उमंग की लहरें उभरती हैं और रोमांच से भरे पल धीरे-धीरे मेरी रचना को संजोते हैं। यह एक पवित्र अनुभव है, जहां साधारण शब्दों के माध्यम से अद्वितीय भावों को अवयवीकृत किया जाता है।

लेखक बनना शक्ति का आविर्भाव है। यह संग्रहीत अनुभवों, गहराईभरी भावनाओं, और जीवन के तत्वों को सजाने का एक माध्यम है। मेरी कलम मेरी माटी है, जिसमें मैं अपनी मौजूदगी को छिपा देता हूँ। जब मैं लिखता हूँ, तो मैं विचारों के जंगल में घूमता हूँ, भावनाओं की नदियों में स्नान करता हूँ और शब्दों के सागर में डूबता हूँ।

लेखक बनना अपनी प्रतिभा को स्वतंत्रता से उड़ान भरने का एक अद्वितीय तरीका है। यह एक रचनात्मक विश्वास की प्रकटी है, जहां आपके शब्द आपकी सत्ता के रूप में प्रकट होते हैं। इस यात्रा में, मेरी आत्मा चांदनी बनकर चमकती है, और आपके दिल में एक छोटी सी अभिप्रेति छोड़ जाती है।

लेखक बनना मेरी पहचान है, मेरी रौशनी है। इस सफर पर, मैं खुद को खोजता हूँ, और अपनी भावनाओं की गहराई में डूबता हूँ। लेखक बनना वह प्राण है जो सच्ची एकांतता में आत्मा को गले लगाता है और अपनी कविता को पढ़कर लोगों की दुनिया में उजाला फैलाता है।

यदि आप भी अपनी पुस्तक लिखकर, छपवाना चाहते हैं, संपर्क करें
www.kalpvrikshpublishing.com
मेल कर सकते हैं :- kalpvrikshpublishing@yahoo.com
नोट: अपने समाज के लिए 20% की विशेष छूट, Whatsapp:7528874047

लेखक बनें

लेखक बनना एक सहसा भावनाओं भरा सफर है। यह एक प्रक्रिया है, जिसमें आपकी आत्मा और शब्दों की संगति मिलकर कहानियों को जीवंत करती है। यह मनोहारी और प्रभावशाली कला है, जिसके माध्यम से आप अपनी भावनाओं, विचारों, और अनुभवों को दुनिया के साथ साझा कर सकते हैं।

लेखक बनने का पहला कदम है, आपके अन्दर छिपी रचनात्मकता को पहचानना। यह वह आग है जो अग्नि की तरह जलते हुए आपकी रचनाओं को प्रज्वलित करेगी। जब आप अपने विचारों को कागज़ पर या स्क्रीन पर छोड़ेंगे, तो आप एक नई दुनिया की सृजनात्मकता में खुद को डूबेंगे।

अगला महत्वपूर्ण पदावनत आपकी समय निकालने की क्षमता है। लेखक बनने के लिए, आपको रचनाएँ लिखने के लिए समय निकालना होगा। इसे रचनात्मकता का खाद्य कह सकते हैं, जिसे खाने से आपकी कला और दक्षता का विस्तार होता है। धीरे-धीरे, आप अपनी विचारधारा को सुधारेंगे और शब्दों के सामर्थ्य को बढ़ाएंगे।

लेखक बनने के लिए, आपको अध्ययन करने की आवश्यकता होगी। विभिन्न लेखकों की किताबें पढ़ने के माध्यम से, आप लेखन की कला में महारत प्राप्त कर सकते हैं। यह आपको नई विचारधारा, लेखनी शैली, और साहित्यिक तकनीकों की सीख सकता है। शब्दों की संगति को और अध्ययन करने के लिए, अधिक रचनाएँ पढ़ना भी महत्वपूर्ण है।

अपनी रचनाएँ दुनिया के साथ साझा करने के लिए, आपको लेखक समुदाय में शामिल होने की कोशिश करनी चाहिए। कुछ लेखक समुदायों और साहित्यिक संगठनों के सदस्य बनकर, आप अपनी रचनाओं को प्रशंसा, समीक्षा, और सहयोग प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा, लेखन स्पर्धाओं और साहित्यिक मेलों में भाग लेने का अवसर भी मिलता है।

लेखक बनना एक अनुभव और साधना का परिणाम है। यह आपके संवेदनशील मन की वाणी है, जो लेखक बनते समय आपके शब्दों में माहिर होती है। इस प्रयास में, अपनी संघर्षों और सफलताओं का आनंद लें। रचनात्मक यात्रा पर निकलने के लिए, अपनी आँखों में आग जगाएं और आपके शब्द जगमगाएं, क्योंकि विश्व आपकी रचनाओं की प्रतीक्षा में है।

यदि आप भी अपनी पुस्तक लिखकर, छपवाना चाहते हैं, संपर्क करें
www.kalpvrikshpublishing.com
मेल कर सकते हैं :- kalpvrikshpublishing@yahoo.com
नोट: अपने समाज के लिए 20% की विशेष छूट, Whatsapp:7528874047

सामूहिक कार्य

देवी अहिल्याबाई के चरण
स्पर्श करते हुए,
बघेल योद्धा

शोभा यात्रा के लिए चर्चा

पूण्यश्लोक देवी अहिल्याबाई की जयंती पर रथ-शोभा यात्रा के लिए चौपाल पर हुई सामूहिक चर्चा।

संयुक्त टीम-कठिन परीश्रम

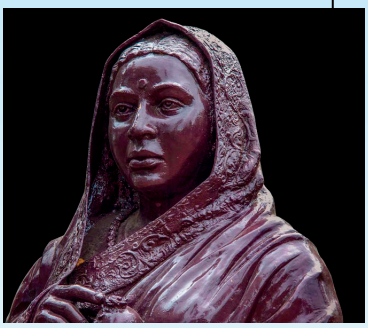

पूण्यश्लोक राजमाता मातेश्वरी देवी अहिल्याबाई होल्कर की 298वीं जयन्ती की जिला-पलवल (हरियाणा) की संयुक्त टीम, जिनकी लगन और परीश्रम से दिनाँक-31 मई 2023, बद्धवार को यह विशाल जयन्ती रथ शोभा-यात्रा बडे ही भव्य, धूम-धाम और शान्तिपूर्ण रूप से जिला प्रशासन की देख-रेख में निकाली गई।

सतीस बघेल पुत्र श्री रूपचन्द बघेल गाँव माँदकोल (हुड्डा सेक्टर-2)
नवीन बघेल पुत्र श्री बेदराम बघेल गाँव माँदकोल (हुड्डा सेक्टर)

इन्द्रजीत बघेल पुत्र श्री सुखपाल बघेल, गाँव फफूंडा
योगेश बघेल पुत्र श्री रोशनलाल नम्बरदार, गांव देवली
जगदीश बघेल पुत्र श्री दीपचन्द बघेल, गाँव-जनौली
नरसिंह जी रिटायर्ड कैप्टन पुत्र श्री भीमसिंह नम्बरदार गंव (आलुका)

श्री वीरेन्द्र बघेल पुत्र श्री बलबीर सिंह बघेल, गाँव- माँदकोल
श्री जयचन्द नम्बरवार पुत्र स्व० श्री खेमचन्द श्री (कुसलीपुर)
अशोक बघेल पुत्र श्री कन्हैयालाल बघेल, गांव-गुदराना
श्री चरणसिंह बघेल पुत्र श्री मोहर सिंह बघेल गांव (मानपुर)
दीपक बघेल पुत्र श्री जयचन्द बघेल, गांव (कुसलीपुर)
रामदत्त बघेल पुत्र श्री स्व० खेमचन्द बघेल (कुसलीपुर

कैप्टन गौरव पुत्र श्री नरसिंह बघेल गाँव (आलूका)
धर्मेन्द्र कुमार पुत्र श्री घनश्याम सरपंच गाँव (रसूलपुर)
अतुल बघेल पुत्र श्री मास्टर विनोदकुमार बघेल, गांव (चिरावटा)
भगतसिंह बघेल पुत्र श्री दुलीचन्द बघेल, गाँव (जोधपुर)
राहुल बघेल पुत्र श्री मदनपाल बघेल, गाँव (जोधपुर)
लखन बघेल गाँव- फिरोजपुर)
राजकुमारबघेल पुत्र श्री हरचन्दी बघेल, गाँव (मीसा)
श्रीमति सुनीता सिंह बघेल पत्नि श्री उदयवीर वकील, गाँव- मोहना
राधेश्याम बघेल रि० मरीन कमांडो(नेवी) पुत्र श्री दूगरिया सिंह बघेल
श्री नवीन बघेल पुत्र श्री श्याम बघेल, गांव (कुसलीपुर)
तरुण बघेल पुत्र स्व श्री फूलसिंह बघेल (कुसलीपुर)
कर्ण सिंह बघेल नम्बरदार पुत्र स्व० श्री लल्लूराम बघेल, खैलकलां (पलवल)
रि० हवलदार भगतसिंह बघेल पुत्र श्री स्व० श्री परसराम बघेल, गाँव- मीसा

दिनेश बघेल, गाँव- डकोरा
सुखदेव नम्बरदार, गाँव-डकोरा
रवी बघेल, गाँव-रसूलपुर
रणजीत बघेल, गाँव-रसूलपूर
हरवीर बघेल, गाँव-रसूलपुर

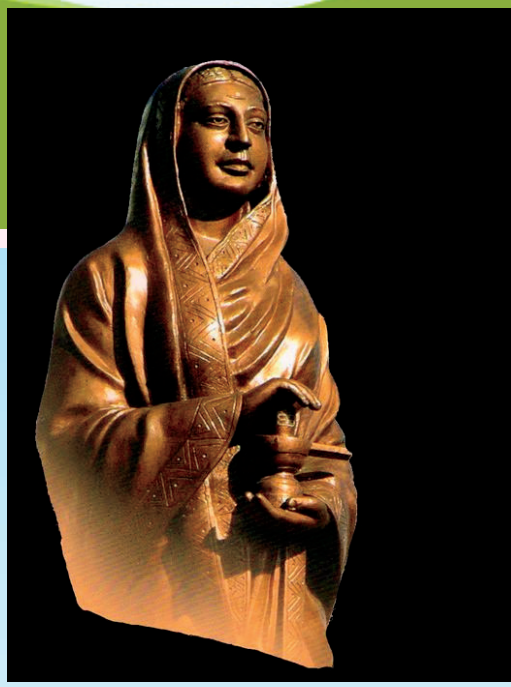

कोई भी व्यक्ति अपनी कविता या कहानी, जानकारी अपना Content छपवाना चाहता है तो whatsapp No. 7528874047 पर भेजें।
www.kalpvrikshpublishing.com

समस्त समाज को बघेल टीम पर गर्व है।

Where there is a lock there is a key. Absence of either one is a problem creating phase. Each other's dependency is as cooperative as tongue and teeth. Their bonding strength is as strong as the mother and baby

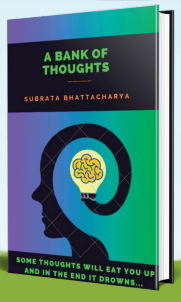

Available now at amazon

पुण्यश्लोक देवी अहिल्याबाई होल्कर

महा रथ- शोभायात्रा

राजमाता की 298 जयंती पर पलवल (हरियाणा)
में 31 मई 2023, बुद्धवार